Total Pages—3 **PG/IIIS/HIN/305(A & B)/24**

M.A. 3rd Semester Examination, 2024

HINDI

(*भारतीय साहित्य*)

PAPER – HIN-305(A & B)

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10 × 2

(क) भारतीय साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

(ख) बांग्ला साहित्य के उद्भव और विकास पर विचार कीजिए।

(*Turn Over*)

(*ग*) 'काबुलीवाला' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

(*घ*) 'वर्षा की सुबह' में संकलित कविताओं के आधार पर सीताकांत महापात्र के काव्य में व्यक्त प्रकृति पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों का यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5 × 4

(*क*) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं पर संक्षिप्त विचार कीजिए ।

(*ख*) 'घासीराम कोतवाल' का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ग*) 'संस्कार' उपन्यास की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(*घ*) 'रहमत, तुम देश चले जाओ, अपनी लड़की के पास । तुम दोनों के मिलन-सुख से मेरी मिनी सुख पाएगी ।" -इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(*ङ*) "मैं न हिन्दुस्तान में रहना चाहता हूँ न पाकिस्तान में । मैं इस दरख्त पर ही रहूँगा ।" - भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(च) क्या घटित होता है जीवन में ऐसा कि
बदल जाते हैं सहसा
जीवन के तमाम परिचित रूप रंग
सुन पड़ता है बांसुरी का
वही अनभूला स्वर
पानी के मटके में समुद्र नाचता है
और टकराता है टूट जाती है रट्-राट्
सारी पुरानी गांठे और डोर बंधन की ।
-यह अंश किस पाठ का है ? इसके लेखक कौन हैं ?
ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

[Internal Assessment — 10 Marks]